

सौधकार पुं. (तत्.) भवन अथवा प्रासाद बनाने वाला, राज मिस्त्री, स्थपति, कारीगर।

सौधना स.क्रि. (तद्.) शुद्ध या साफ करना, शोधन करना।

सौधन्य वि. (तत्.) 1. सुधन-संबंधी 2. सुधन से उत्पन्न।

सौधन्वा पुं. (तत्.) 1. सुधन्वा के पुत्र, ऋभु 2. एक प्राचीन वर्णसंकर जाति।

सौधर्म पुं. (तत्.) 1. सुधर्म का गुण, भाव, सुधर्मता 2. सज्जनता 3. ईमानदारी 4. सुजनता, साधुता 5. जैनधर्म के अनुसार देवताओं का निवास स्थान।

सौधर्मज पुं. (तत्.) सौधर्म में उत्पन्न एक प्रकार के देवता (जैन) वि. सौधर्म में उत्पन्न।

सौधर्म्य पुं. (तत्.) 1. सुधर्म का गुण या भाव 2. सुधर्म का पालन 3. सज्जनता 4. ईमानदारी।

सौधाकर वि. (तत्.) सुधाकर या चंद्रमा संबंधी, चांद्र।

सौधात पुं. (तत्.) ब्राह्मण और भृज्जकंठी से उत्पन्न संतान।

सौधातिक पुं. (तत्.) सुधाता के वंशज।

सौधार पुं. (तत्.) काव्य. नाटक के चौदह भागों में से एक।

सौधावति पुं. (तत्.) सुधापति की संतान।

सौधृतेय पुं. (तत्.) सुधृति के वंशज।

सौनंद पुं. (तत्.) बलराम के मूसल का नाम।

सौन पुं. (तत्.) 1. कसाई 2. बिल्ली के लिए रखा हुआ ताजा मांस अव्य. सम्मुख, सामने वि. 1. सून या सूना से संबंध रखने वाला 2. पशु-पक्षियों के वध या हत्या से संबंध रखने वाला।

सौनक पुं. (तद्.) शौनक ऋषि।

सौनन स्त्री. (देश.) रेह मिले पानी में कपड़े भिगोना।

सौना पुं. (देश.) सोना।

सौनाग पुं. (तत्.) 1. वैयाकरणों की एक शाखा, जिसका उल्लेख पतंजलि के महाभाष्य में है 2. सुनाग के अनुयायी।

सौनामि पुं. (तत्.) वह जो सुनाम के गोत्र में उत्पन्न हुआ हो।

सौनिक पुं. (तत्.) 1. कसाई 2. मांस बेचने वाला 3. शिकारी, बहेलिया, व्याध।

सौनीतेय पुं. (तत्.) सुनीति के पुत्र, ध्रुव।

सौ-पचास वि. (तद्.) 1. अनेक, कई जैसे- थोड़ी ही देर में सौ-पचास लोग जमा हो गए 2. थोड़ा सा, बहुत कम जैसे मजदूर, महीने में सौ-पचास रुपए कमाकर अपना और अपने परिवार का पेट नहीं भर पाता।

सौपर्ण वि. (तत्.) गरुड़ संबंधी, गरुड़ का पुं. 1. गरुड़ पुराण 2. गरुड़ मंत्र 3. पन्ना, मरकत मणि 4. सौंठ 5. ऋग्वेद का एक सूक्त 6. गरुड़ के अस्त्र का नाम।

सौपर्ण्य पुं. (तत्.) सुपर्णी के पुत्र, गरुड़।

सौपर्ण्य पुं. (तत्.) सुपर्ण पक्षी का स्वभाव या धर्म वि. सौपर्ण।

सौपर्व वि. (तत्.) सुपर्व संबंधी, सुपर्व का।

सौपाक पुं. (तत्.) एक प्राचीन वर्णसंकर जाति।

सौपिक वि. (तत्.) 1. सूप या व्यंजन से संबंध रखने वाला 2. जिसमें सूप या शोरबा मिला या लगा हो, शोरबेदार।

सौपिष्ट पुं. (तत्.) वह जो सुपिष्ट के गोत्र में उत्पन्न हुआ हो।

सौपुष्पि पुं. (तत्.) 1. वह जो सुपुष्प के गोत्र से उत्पन्न हुआ हो 2. सुपुष्प के गोत्र में उत्पन्न।

सौप्तिक पुं. (तत्.) रात में सोते हुए लोगों पर किया जाने वाला आक्रमण वि. निद्रा संबंधी।

सौप्तिक पर्व पुं. (तत्.) महाभारत का दसवाँ पर्व।

सौप्तिक वध पुं. (तत्.) 1. रात्रि में सोते हुए लोगों की हत्या 2. पांडवों के शिविर में रात्रि में सोते हुए लोगों की अश्वत्थामा द्वारा हत्या।

सौप्रजास्त्व पुं. (तत्.) अच्छी संतानों का होना।